सालाना रिपोर्ट

अप्रैल 2019-मार्च 2020

चलें आज हम अपनी
क़ाबलियत से
कल तो
खुद-ब-खुद
बदलेगा हमारी ताक़त
से

सूची

क्र.स.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
1.	संस्था का परिचय	3
2.	समुदाय आधारित कार्यक्रम	4– 9
3.	GBV एवं महिला संगठन निर्माण	9– 12
4.	सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म	12– 13
5.	क्षमता विकास और नेटर्वकिंग	13– 14
6.	संस्थागत कार्य	14– 16
7.	परिणाम	16– 17
8.	उपलब्धियां	18
9.	चुनौतियां	18– 19
10.	सीख	19– 20
11.	सहयोगी संस्था	20
12.	सोशल मीडिया लिंक	20– 21

1. संस्था का परिचयः

सद्भावना ट्रस्ट की स्थापना 1990 मे दिल्ली में स्थानीय सक्रिय कार्यकर्ताओं के एक ऐसे समूह द्वारा की गई जो जेण्डर एवं समता के सिद्धान्तों पर विश्वास करते हैं। और इस संस्था के पंजीकरण के 20 साल पहले से वे दिल्ली में वंचितों के साथ काम कर रहे थे। सद्भावना ट्रस्ट का उद्देश्य हैं, स्थानीय नेतृत्व ख़ास तौर पर महिलाओं एवं हाशिये पर खड़े समूहों का क्षमता का विकास करना।

सद्भावना ट्रस्ट 2009 से लखनऊ शहर की बस्तियों में वंचितों के साथ काम कर रही हैं। संस्था खासकर लड़कियों और महिलाओं के साथ जेण्डर आधारित हिंसा और व्यक्तित्व विकास पर नज़रिया निर्माण करके उन्हें नेतृत्वकारी भूमिका में लाने का काम करती है। साथ ही लड़कियों और महिलाओं में तकनीकी कौशल का विकास करते हुए उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनने पर ज़ोर देती है। इसी कड़ी में संस्था समुदाय में महिला हिंसा के मुद्दे पर कानूनी पैरवी एवं महिलाओं को फिर से अपनी ज़िंदगी शुरू करने में मदद करने का काम करती हैं, ताकि महिलाओं की सामाजिक कामों में भागीदारी सुनिश्चित हो और वे अपने अधिकारों के बारे में जानें।

हमारा विज़न

एक ऐसे हिंसा मुक्त सामाज का निर्माण करना, जो संवैधानिक मूल्यों पर आधारित हो, समानता, शांती, भेदभाव से मुक्त, लैंगिक हिंसा से मुक्त और न्याय पर आधारित हो, जहां पर सभी इंसान को समान अवसर प्राप्त हो।

हमारा मिशन

वंचित समूहों की लड़कियों एवं महिलाओं का व्यक्तित्व और नज़रिया निर्माण करते हुए उन्हें नेतृत्व में लाना। तकनीकी कौशल से जोड़कर उन्हें सशक्त करते हुए आत्मनिर्भर बनाना। और रचनात्मक तरीके से समुदाय के मुद्दों पर जागरूक करने की प्रक्रिया से जोड़ना।

2. समुदाय आधारित कार्यक्रमः

युवा महिलाओं एवं लड़कियों के साथ नेतृत्व विकास कार्यक्रमः

क. लड़कियों का मोहल्ला मंच– लड़कियों के साथ नेतृत्व विकास कार्यक्रम का संचालन मोहल्ला मंच के माध्यम से चल रहा हैं। यह काम पूर्ण रूप से पांच क्लस्टर में चल रहा हैं। प्रत्येक क्लस्टर में 10–10 मंच स्थापित हुए हैं। प्रत्येक मंच में 10 से 15 लड़कियां जुड़ी हैं, और इस कार्यक्रम में अब तक लगभग 600 लड़कियों ने भागीदारी की हैं। वे व्यक्तित्व निर्माण कार्यक्रम से जुड़ रही हैं। इनमें से 60 लड़कियों का चयन मुख्य लीडर के रूप में किया गया हैं। इनके साथ एडवांस कार्यशालाएं की गई हैं। मंच के माध्यम से प्रत्येक क्लस्टर में लड़कियों के बीच महीने में दो बार व्यक्तित्व विकास और नज़रिया निर्माण आधारित सत्र संचालित किये गये हैं। जैसे–मोहल्ला मैपिंग, गतिशीलता, जेण्डर, पहचान, पितृसत्ता, हिंसा, औरत के काम व उनकी भूमिका पर खेलों और बातचीत के ज़रिये समझ बनाना और शहर में अन्य सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का एक्पोजर विज़िट कराना।

ख. सेन्टर द्वारा संचालित कार्यक्रम–सद्भावना ट्रस्ट ने अपने पिछले काम के तर्जुबे और सीख से समुदाय के बीच दो क्षेत्र में (डालीगंज और गढ़ीकनौरा) "**नज़रिया लीडरशिप सेन्टर"** खोलने

की पहल की हैं। यह कार्यक्रम **"एजेडब्ल्यूएस और एमपॉवर"** के वित्तीय सहयोग से संचालित हैं। इसमें डालीगंज की 87 और गढ़ीकनौरा की 148 यानी कुल 235 लड़कियां जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए **"नौकरी कौशल"** से जुड़े प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

ये प्रशिक्षण कई तरह के हैं। जैसे– कम्प्यूटर का बेसिक कोर्स, फोटोग्राफी, डिजिटल स्टोरी, मोबाइल कम्युनिकेशन, इंग्लिश कोर्स, एक्पोजर विज़िट, करियर काउंसलिंग, व्यक्तित्व विकास, नयी पीढ़ी के कौशल सोशल मीडिया, इंटरव्यू स्किल्स, संवैधानिक नज़रिया और जागरूकता, सीवी लेखन, बैंक कामकाज के बारे में जानकारी, मोहल्लों में जागरूकता अभियान और समुदायिक कार्यक्रम का आयोजन। साथ ही सेन्टर में प्रत्येक माह लड़कियों की मां, आंगनबाड़ी और आशा बहू के साथ **सूचना डेस्क** के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी और व्यक्तित्व और नज़रिया आधारित सत्र संचालित किये गये हैं।

ग. एडवांस लीडरशिप प्रोग्राम (YWL)–यह कार्यक्रम **"ग्लोबल फंड फॉर विमेन"** के वित्तीय सहयोग से संचालित है। इस कार्यक्रम में कुल 25 लड़कियां जुड़ी हुई हैं जिनके साथ काफी दिलचस्प कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। जैसे–GBV के मुद्दे पर तीन चरणीय क्षमता विकास कार्यशाला, एक्सपोजर विज़िट, कार्टून

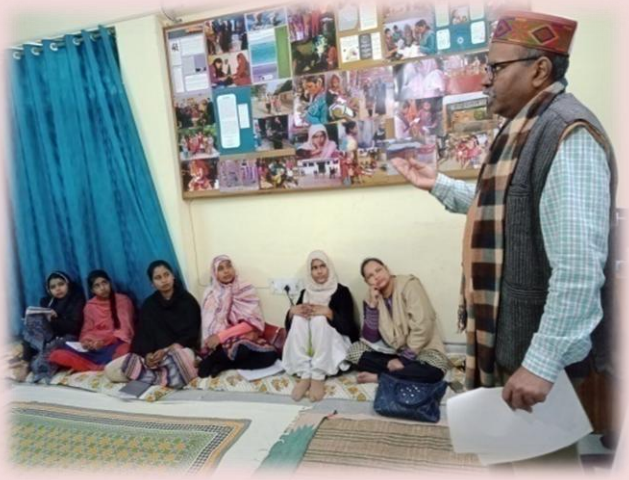

कार्यशाला, जूम रोज़ा इफ़्तार, महिला और काम पर कार्यशाला, विविधिता के मुद्दे पर संगोष्ठी, मूवमेन्ट बिल्डिंग कार्यशाला, एतिहासिक बिल्डिंग का एजुकेशनल विज़िट, विडियो एडिटिंग कार्यशाला, सोशल मीडिया कार्यशाला, तोड़ी बंदिशें कैम्पेन की तैयारी एवं संचालन, फिल्ड वर्क और कार्यक्रम का मूल्यांकन गतिविधि। इनमें से 5 YWL संस्था में नये मुबलाईज़र के रूप में काम कर रही है, 10 YWL लगातार समुदाय में प्रशिक्षक के रूप में काम कर रही हैं। और 9 YWL फील्ड में वॉलंटियर के रूप में काम कर रही हैं।

घ. युवा नेटवर्किंग एवं जागरूकता अभियान कार्यक्रम– संस्था द्वारा युवा नेटवर्किंग एंव सशक्तिकरण के मुद्दें पर समुदाय और स्कूल में जागरूकता अभियान आयोजित किये गये। जिसका संक्षेप में विवरण नीचे दिया गया हैं।

युवा मेला– लैगिंग भेदभाव व हिंसा के मुद्दे पर समझ बनाने हेतु संस्था द्वारा समुदाय स्तर पर तीन क्षेत्र में (चौक, डालीगंज और गढ़ीकनौरां) **युवती मेला** का आयोजन किया। इस मेले मे लगभग 1100 युवा महिलाएं एवं लड़कियां शामिल रही।

मोहल्ला इवेन्ट–मोहल्ला इवेन्ट तीन क्षेत्र में (डालीगंज, गढ़ी कनौरा, चौधरी गढ़ैय्या) किया गया। इन क्षेत्रों में 6 इवेन्ट समुदाय स्तर पर हुए जैसे– पोस्टर राइटिंग, शिक्षा पर डिबेट, संगीत प्रतियोगिता, बैत बाज़ी, रोल प्ले और लड़कियों द्वारा फुटबॉल मैंच। कार्यक्रम में लगभग 220 लड़कियां शामिल हुई।

स्कूल इवेन्ट– काम की दुनिया में महिलाओं और लड़कियों की सहभागिता के मुद्दे पर तीन स्कूलों में इवेन्टस किए गए। जिसका मकसद था यह समझना कि जॉब की दुनिया में

लड़कियां और महिलाएं क्यों नहीं आ पाती है? घर से लेकर बाहर की दुनिया में महिलाओं को कौन–कौन सी चुनौतियां झेलनी पड़ती हैं? इन मुद्दों पर युवाओं के साथ गहरी चर्चा की गई। स्कूल इवेन्ट में लगभग 200 युवा लड़कियां एवं लड़के शामिल हुये।

समुदाय अभियान– अकबर नगर क्षेत्र में 7 मंच के साथ युवा महिला, लड़कियां और युवा लड़कों के साथ **"तोड़ी बंदिशें"** अभियान के तहत, काम की दुनिया में महिलाओं और लड़कियों की सहभागिता पर आधारित गतिविधियों द्वारा चर्चा की गई। चर्चा से यह समझने की कोशिश की गई कि महिलाओं और लड़कियों के बाहर काम करने पर वह क्या सोचते हैं? और महिलाओं को आगे बढ़ाने में उनका क्या सहयोग होता हैं? चर्चा में लगभग 120 युवा महिलाएं, लड़के और लड़कियां शामिल हुई।

महिन्द्रा सनतकदा लखनऊ फेस्टिवल– महोत्सव में सद्भावना ट्रस्ट द्वारा स्कूल/कॉलेज से

लगभग 1200 युवाओं एवं बच्चों की सहभागिता कराई गईं। जिसमें बच्चों को सीखने– सिखाने

की प्रक्रिया से जोड़ा गया। साथ ही उन्हें इस महोत्सव में भारत के कई राज्यों से आयें दस्तकार, शिल्पकार, बुनकर द्वारा बनायें सामान देखने का मौका मिला। उसी महोत्सव के दौरान युवा महिलाएं **किया** द्वारा चलाये गये रूचिकर सत्रों और कविता बुंदेल खंडी द्वारा चलाये गये "**मीडिया की दुनिया में महिलाएं"** सत्र में जुड़ी। इसके अतिरिक्त उन्होंने खेल, झूले, किस्सागोई, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फिल्मिस्तान, पिक्चर गैलेरी और हेरिटेज वॉक का मज़ा लिया।

नये साल पर समुदाय के बीच उत्साह –नये साल के मौक़े पर प्रत्येक क्षेत्र (7 क्षेत्र में) में संस्था द्वारा नये साल का स्वागत चित्र और गीत के ज़रिये किया गया। साथ ही हर क्षेत्र की लड़कियों ने अपने सुन्दर चित्रों को कपड़े के फड़ पर प्रदर्शित किया। इसके अतिरिक्त हर क्षेत्र से युवा महिलाएं "**मीट टू स्लीप"** अभियान से जुड़ी और अपना अनुभव सबको साझा किया।

महिला दिवस– संस्था द्वारा हाशिये पर खड़े समुदाय की युवा महिलाओं के साथ महिला दिवस समारोह एवं **"तोड़ी बंदिशें"** अभियान के समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्र शान्ती नगर और अक़बर नगर के बीच संचालित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 300 से ज़्यादा युवा महिलाएं एंव पुरूष शामिल हुये। कार्यक्रम ने युवा महिलाओं और पुरूषों को अनेक प्रकार के सामाजिक मुद्दों पर सीखने– सिखाने का मौका प्रदान किया।

अंग्रेज़ी भाषा से जुड़े भेदभाव पर अभियान– भाषा से जुड़ी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुये संस्था द्वारा 15 दिन का अंग्रेज़ी भाषा का कोर्स संचालित किया गया। कोर्स में कुल 52 लड़कियां जुड़ी। कोर्स के दौरान लड़कियों ने बताया कि उहोंने अपनी ज़िंदगी में भाषा से जुड़े

भेदभाव कहां– कहां महसूस किया हैं। वर्तमान में लड़कियां अंग्रेज़ी भाषा का इस्तेमाल अपने निजी जिंदगी में कर रही हैं।

जूम रमज़ान पार्टी– सद्भावना ट्रस्ट ने कोविड–19 की स्थिति को ध्यान में रखते हुये समुदाय की युवा नेत्रियों के साथ जूम वीडियो कॉल के ज़रिये रोज़ा इफ्तार का आयोजन किया। इस आयोजन में मिश्रित धर्म व जाति की लगभग 15 लड़किया शामिल हुई। लड़कियों ने बताया की इस बार वह मोहल्ला इफ्तार बहुत याद कर रही हैं।

3. GBV एवं महिला संगठन निर्माण कार्यः

क. संस्था में महिला हिंसा के कुल 45 केस पंजीकृत हैं, जिसमें दो केस यौन उत्पीड़न का अन्य ज़िले से हैं। 4 केस जेल के हैं जिसमें कोर्ट पैरवी चल रही हैं। बाकी 39 केसों में संस्था द्वारा सामाजिक, कानूनी पैरवी और फॉलोअप का काम चल रहा हैं। उपरोक्त दो अन्य ज़िले के केस की संक्षेप जानकारी नीचे प्रस्तुत हैं।

बिटिया केस 1– ये केस लोवर कोर्ट से हार गया था, फिर संस्था द्वारा इस केस को हाईकोर्ट में अपील किया गया हैं। संस्था द्वारा वर्तमान में लड़की के केस में लगातार कानूनी पैरवी, बीमारी का इलाज और उसकी पढ़ाई में सहयोग किया जा रहा हैं।

बिटिया केस 2– संस्था द्वारा लड़की के केस में जेल अपील खारिज कराने की पैरवी की गई हैं। इसी के साथ कम्पॉसेशन धन राशि दिलाने के लिए उरई डी0एम0 को आवेदन दिया गया और हाईकोर्ट द्वारा कम्पॉसेशन के लिए केस फाइल किया गया। और यू.पी. स्तर पर प्रशासन के साथ लगातार फॉलोअप किया गया। अक्टूबर माह में लड़की को सरकार द्वारा कम्पॉसेशन की 3 लाख रूपये की धनराशि प्राप्त हुई है। वर्तमान में महिला भोपाल के मानसरोवर नर्सिंग कॉलेज से नर्सिंग का कोर्स कर रही। संस्था द्वारा लड़की की पढ़ाई और उसके केस में कानूनी पैरवी में सहयोग किया जा रहा हैं।

ख. GBV के मुद्दे पर क्षमता विकास कार्यशाला– समुदाय से उभरी नेत्रियों और संस्था के कार्यकर्ताओं के साथ GBV के मुद्दे पर तीन चरणों में बुनियादी कानून की कार्यशाला की गई। जिसका उद्देश्य था समुदाय स्तर पर कानूनी टीम बनाना जो तुरन्त

महिला हिंसा के मुद्दे पर अगुवाई कर सके। कार्यशाला में कुल 25 लोगों ने (17 समुदाय से उभरी नेत्रियां और 8 संस्था कार्यकर्ता) सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान नेत्रियों ने महिला हिंसा से जुड़े कई कानूनी दावपेंच सीखे, जैसे– हिंसा की पहचान करना, घरेलू हिंसा का प्रकार, केस को समझना, FIR 154 और NCR 155 में क्या फर्क है? फौज़दारी मुक़दमा क्या हैं? दीवानी मुक़दमा क्या है? DIR क्या है? फील्ड कार्य, पीड़ित महिला से बात करने का तरीका, सहमति फॉर्म भरने का तरीका, थाने में पुलिस प्रशासन से (5 क्षेत्रों के पुलिस स्टेशन में विज़िट) बात करने का तरीका सिखाया गया।

साथ ही उन्हे आगे समुदाय में महिला हिंसा के मुद्दे पर क़दम उठाने हेतु कानून से जुड़े असाइन्मेंट दिये गये। जिसमें प्रत्येक प्रतिभागी को महिला से जुड़े दो–दो केसों पर काम करने का मौका दिया गया। कार्यशाला के उपरान्त तीनों चरणों की सीख को परखने के लिए प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया। इस प्रक्रिया से यह पता चला कि लीडर्स कितने हद तक जानकारी को खुद के अन्दर समाहित कर पायें हैं। और अभी उनके अन्दर कौन सी समझ को और मज़बूत करने की ज़रूरत हैं, इसको समझते हुये आगे का प्लान और रणनीति तैयार की गई हैं।

ग. महिला हिंसा (GBV) के मुद्दे पर विशेषज्ञ के साथ बैठक– महिला हिंसा के मुद्दे को लेकर कानूनी सलाकार द्वारा कार्यकर्ता और समुदाय के लीडर्स ने जो भी पहल समुदाय में किया हैं उसका आंकलन किया गया। और उन्हें हिंसा से जुड़े अन्य केसों में पैरवी करने का मौका दिया गया। इस दौरान यह देखने को मिला कि टीम औार समुदाय लीडर्स समुदाय के बीच स्वयं से हिंसा के मुद्दे पर पैरवी कर रही हैं, और वहां वे अपने कार्यशाला से मिली सीख को कियान्वित कर पा रही हैं। अब संस्था की कार्यकर्ता और लीडर्स प्रत्येक माह केसों में पैरवी करने की ज़िम्मेदारी लेती हैं और उसका फॉलोअप करती हैं। साथ ही सलाहकार और स्थानिय वकील के साथ प्रति माह केस को लेकर बैठक की गई। बैठक के दौरान केसों में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करते हुये नई रणनीतियां तय की गई। साथ ही जेल केस में चल रही पैरवी से केसों में हो रही प्रगति का आंकलन किया गया।

घ. महिला संगठन का निर्माण– संस्था द्वारा 4 क्षेत्र में महिलाओं का 10 संगठन तैयार करके उनका स्थानिय नेतृत्व तैयार करने का काम शुरू किया गया हैं। जिससे महिलाएं स्वयं के मुद्दे पहचाने और उसकी स्वयं अगुवाई करे। प्रत्येक संगठन में 12 से 15 महिलाएं जुड़ी हैं। साथ ही महिलाओं के साथ महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता, कानूनी जानकारी, नज़रिया आधारित सत्र आयोजित किया जा रहा हैं।

जिससे संगठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़े, और वह स्वयं लीडर के रूप में बाहर निकल कर आयें।

ड़. सूचना डेस्क– महिला संगठन की प्रत्येक महिलाओं के 10 मंच में सूचना डेस्क का आयोजन किया गया, जिसमें वर्तमान संचालित सरकारी योजनाओं एवं कानूनी दस्तावेज बनाने पर ज़ोर दिया गया।

च. प्रशासनिक सम्पर्क– कार्य क्षेत्र के स्कूलों और स्टेक होल्डरों एंव पुलिस प्रशासन से प्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क किया गया हैं। और इसी सम्पर्क के माध्यम से प्रत्येक क्षेत्र का पुनः क्षेत्र प्रोफाइल तैयार किया गया। जिसमें यह देखने की कोशिश की गई कि संस्था का काम कितने आबादी के अन्दर हो रहा हैं, और उस काम का असर समुदाय के बीच कितना नज़र आ रहा हैं।

4. सोशल मीडिया प्लेट फॉर्मः

क. दंगल वाट्सएप्प ग्रुप– यह समूह 50 लड़कियों का समूह है जो हमारे लीडरशिप बिल्डिंग प्रोग्राम से जुड़ चुकी हैं और कहीं न कहीं किसी रोज़गार से जुड़ी हुई हैं। इनके साथ वाट्सएप्प के ज़रिये जुड़े रहना काफी पुराना जुड़ाव महसूस कराता हैं। वर्तमान में इस ग्रुप पर बढ़ रही महिला हिंसा और उभरते सामाजिक मुद्दों पर चर्चाएं हो रही हैं। साथ ही कई ख़ास जानकारियां इस ग्रुप के माध्यम से एक दूसरे तक पहुंचती हैं।

ख. संस्था के कार्यो का प्रचार–प्रसार– सोशल मीडिया के द्वारा तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल करते हुये पिछले एक साल में संस्था के कार्यक्रम का प्रचार–प्रसार करने हेतु कई नई पहल शुरू की गई हैं। जैसे– लखनऊ लीडर्स यूटयूब चैनल, लखनऊ लीडर्स ब्लॉग, ट्वीटर, इन्स्टाग्राम और फेसबुक पेज। जिसके माध्यम से साप्ताहिक शॉट

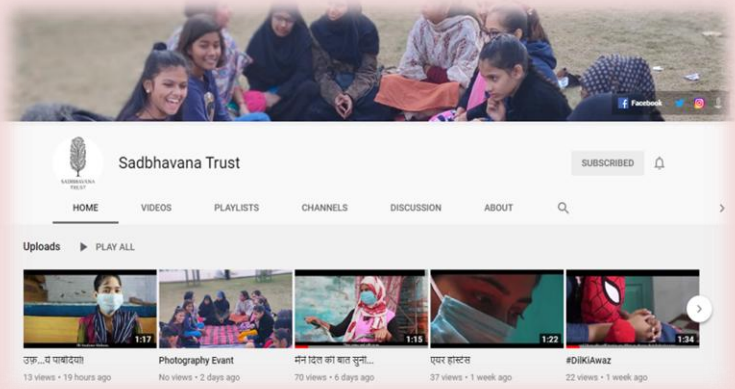

फिल्म और कार्यक्रम से जुड़े पोस्ट अपडेट किये जाते हैं।

ग. मोहल्ला किशोरी वाट्सएप्प ग्रुप–प्रत्येक मंच का वाट्सएप्प ग्रुप बना हुआ हैं, जिसके तहत लड़कियों से कार्यक्रम का समन्वयन करना आसान हो गया हैं। वर्तमान में कोविड की स्थिति को देखते हुये वाट्सएप्प ग्रुप पर ही व्यक्तित्व विकास का सत्र संचालित किया गया।

5. क्षमता विकास और नेटवर्किंगः

क. नेटवर्क समूह से जुड़ाव– उत्तर प्रदेश स्तर पर स्थानीय संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संस्था के साथियों की प्रतिनिधि के रूप में सक्रिय भागीदारी रही हैं। जैसे अमन नेटवर्क समूह, रोटी रोज़ी अभियान, जेण्डर एट वर्क समूह और कार्य स्थल पर होने वाली हिंसा एंव महिला हिंसा के मुद्दे पर आयोजित संगोष्ठी, प्रेस कॉन्फ्रेंस और अन्य संस्था द्वारा आयोजित युवा कार्यक्रम। साथ ही इस साल कई संस्थाओं का विज़िट हमारे संस्था में रहा हैं, जिससे संस्था की नेटवर्किंग बढ़ी हैं।

ग. बाहरी कार्यशाला में जाना–

पिछले एक साल में संस्था के साथियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाहरी संस्थाओं

द्वारा आयोजित कई कार्यशालाओं एवं बड़े आयोजनों में जुड़ने का मौका मिला। जैसे– क्रिया द्वारा नेपाल में आयोजित रिकॉनफ्रेंस, निरन्तर द्वारा पेस करीकुलम कार्यशाला, राजिव गांधी फाउन्डेशन द्वारा आयोजित थिएटर वर्कशॉप, युवा नीति राष्ट्रीय कार्यक्रम में सहभागिता, सहयोग में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर सम्मेलन, इन्लिगुआ दिल्ली द्वारा तीन माह का अंग्रेज़ी कोर्स, क्रिया द्वारा लखनऊ में संचालित सम्मेलन, यू.पी. पुलिस लाईन द्वारा आयोजित SSP के साथ बैठक, मुस्कान संस्था द्वारा आयोजित सेमिनार में सहभागिता, बांदा युवा मेला में शामिल होना और सहजनी शिक्षा केन्द्र में

किशोरियों के साथ प्रशिक्षण देने का मौका। उपरोक्त कार्यक्रम में शामिल होने से संस्था के कार्यकर्ताओं को कई प्रकार की सीख के अवसर प्राप्त हुये हैं जिसे वह अपने संस्था के अन्दर लागू करने का प्रयास कर रही है।

घ. बाहरी संस्थाओं का विज़िट–

पतंग संस्था के सदस्यों द्वारा संस्था में विज़िट, स्वतंत्र तालीम टीम द्वारा शिक्षा के मुद्दे को लेकर संस्था विज़िट। आगाख़ान फाउन्डेशन से 15 साथियों का संस्था विज़िट, जिसके ज़रिये एक दूसरे के काम के बारे में जानकारी ली गई। स्वलेम प्रोग्राम के तहत मेंटर का संस्था विज़िट, जिसके ज़रिये उन्होंने वाई0डब्ल्यू0एल से मुलाक़ात किया। एमपॉवर संस्था द्वारा संस्था विज़िट और लड़कियों से मुलाक़ात। नागपुर की संस्था द्वारा 25 साथियों का सद्भावना टस्ट के काम को समझना और सेन्टर विज़िट करना, एजेडब्ल्यूएस संस्था द्वारा संस्था में विज़िट, सहजनी शिक्षा केन्द्र के 3 साथियों का फील्ड और सेन्टर विज़िट, मेघा लखनऊ संस्था द्वारा 6 साथियों का फील्ड और सेन्टर विज़िट, संजोग संस्था कलकत्ता से 8 लोगों का सेन्टर विज़िट।

6. संस्थागत कार्यः

क. कार्यक्रम रिव्यू– सद्भावना टस्ट की टस्टीज़ द्वारा सद्भावना ट्रस्ट का कार्यक्रम रिव्यू किया गया। उनके द्वारा किये गये रिव्यू प्रक्रिया से हमारे काम में काफी बदलाव आया जैसे– हमने पेड़ के माध्यम से समझा कि हमारे काम का जड़ कहां हैं? कार्यक्रम कहां हैं? हमारा काम किस दिशा में हैं? रिव्यू के बाद सभी साथियों को नयी भूमिका दी गई। वर्तमान में सभी साथी अपनी ज़िम्मेदारी को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

ख. व्यक्तिगत रिव्यू– सद्भावना टस्ट के टस्टीज़ द्वारा सद्भावना टीम के साथ व्यक्तिगत रिव्यू की प्रक्रिया चलाई गई। इस प्रक्रिया के दौरान सभी साथियों से स्वयं आकंलन फॉमेट भरवाये गये। उसी फॉर्मेट के आधार पर एक– एक साथियों का रिव्यू हुआ। इस दौरान टस्टीज़ द्वारा सभी टीम का मानदेय बढ़ाते हुये नया पद और नई ज़िम्मेदारी दी गई। साथ ही सद्भावना टस्ट के सभी टीम को 11 माह का कॉन्टैक्ट लेटर दिया गया।

ग. यौन उत्पीड़न समीति बैठक– कार्य स्थल पर होने वाली यौन हिंसा अधिनियम 2013 के अन्तगर्त कानूनी पैरवी करने हेतु, साल में दो बार बैठक की गई। 8 जुलाई 2019 को संस्था

द्वारा यौन उत्पीड़न समिति का पुर्नगठन किया गया। जिसमें 5 व्यक्तियों का (अज़रा, अवधेश, रूबीना, माधवी कुकरेजा और हमीदा खातून) नाम समिति के लिए चिन्हित किया गया। और यह तय किया गया कि यह समिति संस्था में किसी भी प्रकार की यौनिक हिंसा होने पर निरीक्षण करेगी और तद्पोरान्त दोषी के ख़िलाफ सख्त कार्यवाही करेगी। परन्तु इस साल भी यौन उत्पीड़न का कोई भी मुद्दा संस्था के संज्ञान में नही आया हैं। संस्था द्वारा नये साथियों का यौन हिंसा अधिनियम 2013 के कानून पर ओरियन्टेशन किया गया। साथ ही समुदाय की लड़कियों के बीच कानून पर जागरूकता अभियान चलाया गया।

घ. सद्भावना टस्ट में नये साथियों का चयन– रिव्यू के उपरान्त जो साथी फील्ड मोबिलाईज़र के रूप में क्षेत्र में काम कर रहे थे, उनका काम और पद बदल गया हैं। जिसके तहत ट्रस्टी ने सुझाव दिया कि तीन अन्य साथी जो हमारे कार्यक्रम से सीख कर निकले हैं उनका चयन स्टाफ के रूप में किया जाये। जिसके लिए संस्था द्वारा **स्वेलम** कार्यक्रम से जुड़ी लड़कियों के **(वाई0डब्ल्यू0एल कार्यक्रम)** लिए विज्ञापन निकाला गया। समुदाय से 7 लड़कियों ने बड़ी दिलचस्पी के साथ अपनी सी0वी आवेदन पत्र के साथ सद्भावना टस्ट को दिया। चयन

प्रक्रिया को औपचारिक रूप से करने हेतु एक दिन लड़कियों के साथ लिखित सवालों के जवाब, टाईपिंग क्षमता और FGD कराया गया। इसके उपरान्त सबकी फाईल तैयार करके बाहरी रिसोर्स पर्सन को बुलाकर लड़कियों का इन्टरव्यू कराया गया। इन्टरव्यू के उपरान्त तीन लड़कियों का चयन किया गया।

ड़. मासिक एवं साप्ताहिक बैठक– संस्था में नियमित रूप से मासिक बैठक और साप्ताहिक बैठक संचालित हैं। साप्ताहिक बैठक में टीम अपने एक सप्ताह का काम और प्लान शेयर करते हैं। और मासिक बैठक में टीम पूरे माह का काम, सीख, अनुभव, चुनौती और अगले माह में होने वाले कार्यक्रम का प्लान और रणनीतियां शेयर करते हैं। साथ ही प्रति दिन टीम सुबह 30 मिनट न्यूज़ पेपर पढ़ते हैं और आपस में चर्चा करते हैं।

7. परिणामः

- लीडरशिप बिल्डिंग प्रोग्राम को समुदाय के बीच संचालित किया गया हैं, जिसके ज़रिये संस्था ने लगभग 600 लड़कियों तक पहुंच बनाई हैं। साथ ही अलग– अलग जगहों पर युवा मेला का आयोजन कर खेल के माध्यम से समुदाय की लगभग 1100 अन्य लड़कियों को चर्चा से जोड़ा गया।
- मंच में लड़कियों की स्थिरता बनी, युवा महिलाओं एवं लड़कियों का समूह स्थापित हुआ, जिससे लड़कियों की गतिशीलता बढ़ रही हैं, लड़कियां बाहर निकल कर सीखने और ज़िन्दगी के नये विकल्प खोजने के लिए आगे आ रही हैं।
- लड़कियों ने तकनीकी हुनर के साथ अपना नारीवादी नज़रिया जोड़ा हैं, इसी हुनर के साथ वे आत्मनिर्भर होने की दिशा में बढ़ रही हैं। लड़कियों का परिवार भी समझ पाया हैं कि लड़कियां हर काम कर सकती हैं, बस उनके अंदर हौसले की ज़रूरत है।

- समुदाय से उभरी नेत्रियां टी0ओ0टी कार्यक्रम से जुड़कर कम्युनिटी ट्रेनर के रूप में संस्था से जुड़ी है, और वह समुदाय में ट्रेनिंग देने का काम कर रही हैं। महिला हिंसा से जुड़े कानून पर तीन चरण में की गई कार्यशाला से लड़कियों एवं महिलाओं की जानकारी बढ़ी। और वह समुदाय में नोडल प्वाइंट की तरह स्थापित हुई हैं। साथ ही संस्था की कार्यकर्ताओं का हिंसा के मुद्दे पर कानूनी क्षमता का विकास हुआ हैं, जिससे वर्तमान में वह महिला हिंसा के केसों में ठोस प्रक्रिया के साथ पैरवी करने में सक्षम हो पा रही हैं।
- समुदाय में महिला हिंसा का मुद्दा औरतों के लिए बहुत ही संवेदनशील मुद्दा हैं, जो व्यक्तिगत भी हैं और राजनैतिक भी। इस मुद्दे पर हमारी समुदाय से उभरी नेत्रियों ने बहुत ही गम्भीरता से अपनी समझ बनाई है।
- बाहरी नेटवर्किंग समूह से समुदाय की नेत्रियों का जुड़ाव हुआ हैं। जिससे उनकी सामाजिक मुद्दों पर समझ बनी है और वह सामाज में चल रहे मुद्दों पर अपना विचार रखती हैं।
- बाहरी संस्थाओं और स्वयं की संस्था द्वारा जो भी कार्यशालायें कराई गई उन सभी जानकारियों ने संस्था के कार्यकर्ताओं को उनके फील्ड कार्य में बहुत मदद किया हैं। और वे अपनी सीख को संस्था में क्रियान्वित कर पा रहे हैं।
- संस्था में बाहरी संस्थाओं का विज़िट और सम्पर्क भी बढ़ा हैं जिससे संस्था के काम की पहचान बढ़ रही हैं।
- अभियान कार्यक्रम में लड़कों और मर्दो की सहभागिता हुई, जिससे उन्हें पूर्वग्रह और रूढ़ीवादी सोच पर पुनः विचार करने का मौका मिला।
- संस्था के एक साथी को उत्तर प्रदेश स्तर पर त्रिशक्ति अवार्ड के लिए चुना गया, जो महिला सशक्तिकरण के काम पर आधारित था। इस काम के तहत संस्था के साथी को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

8. उपलब्धियां:

- संस्था द्वारा संचालित की गई अलग–अलग गतिविधियों से समुदाय स्तर पर संस्था और समुदाय से उभरी युवा नेत्रियों की पहुंच और पहचान बढ़ी हैं। साथ ही नेतृत्व विकास कार्यक्रम से निकली युवा नेत्रियों को स्थापित किया गया हैं।
- दो क्षेत्र में नज़रिया लीडरशिप सेन्टर स्थापित हुआ। जिसके प्रचार– प्रसार से संस्था की पहचान बनी और संस्था के काम का सीधा फोकस समुदाय के बीच हुआ। प्रत्येक क्लस्टर में लड़कियों का सक्रिय मोहल्ला मंच स्थापित हुआ हैं जहां लड़कियां एक दूसरे के साथ सीखने– सिखाने की प्रक्रिया से जुड़ी हैं।
- संस्था में काम का दायरा बढ़ा, वर्तमान में 50 बस्तियों में किशोरियों के साथ काम चल रहा हैं।
- संस्था का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपने कार्यक्रम की पहचान के साथ सक्रिय हुआ हैं।
- संस्था द्वारा एक साथी को आकाशवाणी में अपने संस्था का काम प्रस्तुत करने का मौका मिला।

9. चुनौतियां:

- शहर का माहौल खराब होने से सेन्टर में लड़कियों की संख्या कम हो जाना, जिसकी वजह से कम लड़कियों के साथ ही कार्यक्रम को आगे ले जाना पड़ा।
- क्षेत्र में लड़कियों और औरतों का मंच तैयार करना चुनौतिपूर्ण रहा, क्योंकि समुदाय संस्था से तुरन्त अपना फायदा पाने की अपेक्षा रखता हैं।
- महिला हिंसा के केसों में नई कार्यकर्ताओं को कुछ मुद्दों पर आत्मविश्वास की कमी महसूस हुई, क्योंकि उनके लिए यह काम नया था।

- मोहल्ले में नये कार्यक्रम (जॉब स्किल्स कोर्स) का क्रियान्वयन करना काफी दिलचस्प रहा लेकिन नये कार्यक्रम को टीम के साथ समन्वयन करने में चुनौतियां आईं।
- संस्था में स्टाफ कम होने के कारण कार्यो को आयोजित करने में चुनौतियां सामने आई। वर्तमान में 5 नये साथियों का चयन हुआ हैं जिनके साथ काम करना रूचिकर हैं लेकिन फिर से नये सिरे से संस्था के महौल में लोगों को तैयार करना थोड़ा चुनौतिपूर्ण हैं।

10. सीखः

- संस्था के साथियों के अन्दर समुदाय स्तर पर नेतृत्व विकास कार्यक्रम संचालित करने का हुनर विकसित हुआ है। इसी सीख से संस्था समुदाय से निकली लड़कियों एवं महिलाओं की रूचि अनुसार नया आइण्डिया, नये अपरोच के साथ समुदाय में काम करने की प्रक्रिया के बारे में सोच पाई हैं।

- लड़कियों का लीडरशिप उभारने हेतु उन्हें समुदाय के बीच मुद्दे आधारित सत्र संचालन की प्रक्रिया से जोड़ा गया। जिन मुद्दे पर उन्होने संस्था द्वारा जानकारी हासिल की थी अब वह जानकारी समुदाय के बीच ले जा रही हैं।
- सद्भावना ट्रस्ट ने अपने पिछले काम के तर्जुबे से महसूस किया है कि समुदाय से उभरी नेत्रियों के पास काफी पोटेंशियल हैं, साथ ही उन्हे और भी औपचारिक रूप से जोड़ने की ज़रूरत हैं। जिसके लिए संस्था ने लड़कियों को तकनीकी क्षमता देने के साथ–साथ उनकी सम्प्रेषण क्षमता, समुदाय कार्य और नज़रिया क्षमता को मज़बूत करने की कोशिश की हैं। जिससे नेत्रियां अब एक्शन मोड में खुद के लिए और समुदाय के लिए काम करें और अपने समुदाय के लिए रोल मॉडल बने जिससे समुदाय की अन्य लड़कियां प्रेरित हो।

- मोहल्ला मंच की सीख से संस्था ने प्रत्येक मंच में लीडरों की पहचान कर उन्हें मंच की ज़िम्मेदारी सौपना शुरू किया। समुदाय के बीच उनके साथ उच्चय स्तर की जानकारियों की कार्यशाला करना जिससे वह पूर्णरूप से मुद्दे पर स्वयं को फोकस कर पायें।
- वर्तमान में समुदाय के बीच चल रहे कार्यक्रमों में हिंसा के मुद्दे को जोड़ा गया है जिससे लोग हिंसा के प्रति जागरूक हो और अवाज़ उठाये। साथ ही जानकारी स्तर पर जेण्डर असमानता और तकनीकी जानकारी के मुद्दे को भी समुदाय में फोकस किया गया हैं जिससे लड़कियां ज़्यादा से ज़्यादा जानकार बने।
- महिलाओं के साथ हिंसा के मुद्दे पर काम करने के अनुभव से हमने महिला संगठन का निर्माण, और दो क्षेत्रों में सूचना डेस्क संचालित करने का काम शुरू किया हैं।
- पिछले कार्य अनुभव की सीख से संस्था द्वारा दो क्षेत्र में काम को बढ़ाया गया हैं, यह कार्य समुदाय नेत्रियां अपने नेतृत्व में कर रही हैं।

11. सहयोगी संस्थाः

- ए0जे0डब्ल्य0एस (न्यूयॉर्क)
- ग्लोबल फंड फॉर विमेन (यू.एस.ए)
- एमपॉवर (न्यूयॉर्क)
- किया (दिल्ली)
- टी0सी0एस (लखनऊ)
- इनलिंगुवा (दिल्ली)

12. सोशल मीडिया लिंक :

Website:- http://sadbhavanatrust.org.in

Facebook:https://www.facebook.com/sadbhavanatrust.lucknow

Instagram: https://www.instagram.com/sadbhavanalko12/

Twitter: https://twitter.com/home

YouTube: https://www.youtube.com/channel/UCm3ckMeo-d6bj2FfNnO6tPw

Blog: https://lucknowleaders.wordpress.com